NEWS CLIPPING: 10.07.2021

THE TRIBUNE

VARSITY SIGNS MOU

Faridabad: To support technical institutions in the state to achieve quality parameters like NBA and NAAC accreditation, JC University of Science and Technology, YMCA, Faridabad on Friday signed MoUs with eight technical institutes in the state as mentee beneficiary institutes (MBI) to guide and disseminate knowledge under the Margdarshan scheme of AICTE. The Margdarshan scheme is an initiative by AICTE to improve the quality of technical education in the country. The MoUs were digitally signed between the head of mentee beneficiary institutes and JC Bose University in a ceremony organised on a digital platform in the presence of Vice-Chancellor professor Dinesh Kumar.

The Tribune Sat, 10 July 2021
https://epaper.tribunei

NEWS CLIPPING: 10.07.2021

THE PIONEER

जेसी बोस ने तकनीकी संस्थानों के साथ किया समझौता

हरियाणा के आठ तकनीकी संस्थानों को एनबीए और एनएएसी मान्यता दिलाने में मदद करेगा विश्वविद्यालय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के तकनीकी संस्थानों को एनबीए और एनएएसी प्रत्यायन जैसे गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में सहयोग एवं मार्गदर्शन सेवाएं देने के लिए उद्देश्य से जेसी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत आठ तकनीकी संस्थानों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किये। एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक पहल है। जेसी बोस विवि प्रदेश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय है जिसने राज्य में पॉलिटेक्निक स्तर पर तकनीकी संस्थानों को परामर्श सेवाएं देने की पहल की है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आयोजित एक समारोह में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, एआईसीटीई निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल कैलाश बंसल, सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार और प्रो. आरपी दहिया की उपस्थिति में लाभार्थी संस्थानों के साथ जे.सी. बोस विवि ने समझौते हस्तांतरित किया। विश्वविद्यालय की ओर से समझौतों पर मार्गदर्शन योजना के मुख्य समन्वयक प्रो. विक्रम सिंह ने हस्ताक्षर किए।

विवि के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले लाभार्थी संस्थानों (एमबीआई) में अरावली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, फरीदाबाद द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुरुग्राम, डीपीजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गुरुग्राम, एनजीएफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पलवल, सेंट एंड्रयूज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फारुख नगर (गुरुग्राम), राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, सोनीपत, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, मानेसर तथा राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, झज्जर शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नैक और एनबीए जैसे मानक एजेंसियों द्वारा एक सूचित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से किसी संस्थान का आवधिक मूल्यांकन उस संस्थान की ताकत और कमजोरियों को जानने तथा निर्धारित मापदंडों पर शिक्षा के मानक में सुधार का अवसर प्रदान करता है। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्ता मूल्यांकन मापदंडों पर खुद को साबित तथा स्थापित किया है। इस समय विश्वविद्यालय के अधिकांश तकनीकी पाठ्यक्रमों को एनबीए से मान्यता प्राप्त हैं तथा विश्वविद्यालय को नैक मान्यता हासिल है। इसलिए, यह विश्वविद्यालय का दायित्व है कि मान्यता हासिल करने के इच्छुक तकनीकी संस्थानों एवं संबद्ध कालेजों को मार्गदर्शन और सहायता सेवाएं प्रदान करें ताकि ऐसे संस्थान एनबीए और नैक मान्यता के लिए आवश्यक गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में सक्षम बन सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि चूंकि जेसी बोस विश्वविद्यालय ने सभी गुणवत्ता मानकों को हासिल कर लिया है, इसलिए इसमें अन्य संस्थानों का मार्गदर्शन करने तथा विशेषज्ञता साझा की क्षमता है। तकनीकी संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार को एक चुनौतीपूर्ण कार्य बताते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय राज्य का एकमात्र सरकारी विश्वविद्यालय है जिसने बहुतकनीकी संस्थानों के स्तर पर तकनीकी संस्थानों का मार्गदर्शन करने का निर्णय लिया है तथा अन्य विश्वविद्यालयों को भी इस पहल के लिए आगे आना चाहिए।

NEWS CLIPPING: 10.07.2021

PUNJAB KESARI

जेसी. बोस विश्वविद्यालय ने तकनीकी संस्थानों के साथ किया समझौता

फरीदाबाद, 9 जुलाई (पूजा शर्मा): हरियाणा के तकनीकी संस्थानों को एनबीए और एनएएसी प्रत्यायन जैसे गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में सहयोग एवं मार्गदर्शन सेवाएं देने के लिए उद्देश्य से जे.सी. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत आठ तकनीकी संस्थानों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किये। एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक पहल है। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय है जिसने राज्य में पॉलिटेक्निक स्तर पर तकनीकी संस्थानों को परामर्श सेवाएं देने की पहल की है।

हरियाणा के 8 तकनीकी संस्थानों को एनबीए और एनएएसी मान्यता दिलाने में मदद करेगा विश्वविद्यालय

डिजिटल समारोह में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार एवं एआईसीटीई के पदाधिकारियों की उपस्थिति में समझौता हस्तांतरित करते हुए प्रो. विक्रम सिंह।(छाया: एस शर्मा)

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आयोजित एक समारोह में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, एआईसीटीई निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल कैलाश बंसल, सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार और प्रो. आरपी दहिया की उपस्थिति में लाभार्थी संस्थानों के साथ जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने समझौते हस्तांतरित किया। विश्वविद्यालय की ओर से समझौतों पर मार्गदर्शन योजना के मुख्य समन्वयक प्रो. विक्रम सिंह ने हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले लाभार्थी संस्थानों (एमवीआई) में अरावली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, फरीदाबाद द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुरुग्राम, डीपीजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गुरुग्राम, एनजीएफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पलवल, सेंट एंड्रयूज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फारुख नगर (गुरुग्राम), राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, सोनीपत, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, मानेसर तथा राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, झज्जर शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नैक और एनबीए जैसे मानक एजेंसियों द्वारा एक सूचित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से किसी संस्थान का आवधिक मूल्यांकन उस संस्थान की ताकत और कमजोरियों को जानने तथा निर्धारित मापदंडों पर शिक्षा के मानक में सुधार का अवसर प्रदान करता है। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्ता मूल्यांकन मापदंडों पर खुद को साबित तथा स्थापित किया है। इस समय विश्वविद्यालय के अधिकांश तकनीकी पाठ्यक्रमों को एनबीए से मान्यता प्राप्त हैं तथा विश्वविद्यालय को नैक मान्यता हासिल है। इसलिए, यह विश्वविद्यालय का दायित्व है कि मान्यता हासिल करने के इच्छुक तकनीकी संस्थानों एवं संबद्ध कालेजों को मार्गदर्शन और सहायता सेवाएं प्रदान करें ताकि ऐसे संस्थान एनबीए और नैक मान्यता के लिए आवश्यक गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में सक्षम बन सके।

मार्गदर्शन योजना और इसके कार्यान्वयन के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य समन्वयक प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य सदस्य संस्थानों के शिक्षण संबंधी तकनीकी उत्थान के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएँ, अतिथि व्याख्यान और अन्य गतिविधियों का संचालन करना है। इस संबंध में एआईसीटीई ने विश्वविद्यालय को अनुदान प्रदान किया है। विश्वविद्यालय द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए एआईसीटीई के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल कैलाश बंसल ने मार्गदर्शन योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि चूंकि जेसी बोस विश्वविद्यालय ने सभी गुणवत्ता मानकों को हासिल कर लिया है, इसलिए इसमें अन्य संस्थानों का मार्गदर्शन करने तथा विशेषज्ञता साझा की क्षमता है। तकनीकी संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार को एक चुनौतीपूर्ण कार्य बताते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय राज्य का एकमात्र सरकारी विश्वविद्यालय है जिसने बहुतकनीकी संस्थानों के स्तर पर तकनीकी संस्थानों का मार्गदर्शन करने का निर्णय लिया है तथा अन्य विश्वविद्यालयों को भी इस पहल के लिए आगे आना चाहिए।

प्रो. आरपी दहिया ने कहा कि वाईएमसीए संस्थान के रूप में स्थापना से विश्वविद्यालय गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने की एक लंबी परंपरा निभा रहा है।

NEWS CLIPPING: 10.07.2021

DAINIK JAGRAN

जेसी बोस विवि ने किया आठ संस्थानों से समझौता

वि., फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को एआइसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत आठ तकनीकी शिक्षा संस्थानों के साथ समझौता किया है। डिजिटल प्लेटफार्म पर आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, एआइसीटीई निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल कैलाश बंसल, सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार और प्रो.आरपी दहिया शामिल हुए है। विश्वविद्यालय की ओर से समझौतों पर मार्गदर्शन योजना के मुख्य समन्वयक प्रो. विक्रम सिंह ने हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के साथ समझौता पर हस्ताक्षर करने वाले लाभार्थी संस्थानों (एमबीआइ) में अरावली कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, द्रोणाचार्य कालेज आफ इंजीनियरिंग गुरुग्राम, डीपीजी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, एनजीएफ कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी पलवल, सेंट एंड्रयूज इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड मैनेजमेंट, फरुखनगर गुरुग्राम, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान सोनीपत, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान मानेसर तथा राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, झज्जर शामिल हैं। कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने कहा कि नैक और एनबीए जैसे मानक एजेंसियों द्वारा एक सूचित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से किसी संस्थान का आवधिक मूल्यांकन उस संस्थान की ताकत और कमजोरियों को जानने तथा निर्धारित मापदंडों पर शिक्षा के मानक में सुधार का अवसर प्रदान करता है। जेसी बोस विश्वविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्ता मूल्यांकन मापदंडों पर खुद को साबित तथा स्थापित किया है। मुख्य समन्वयक प्रो.विक्रम सिंह ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य सदस्य संस्थानों के शिक्षण संबंधी तकनीकी उत्थान के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएं, अतिथि व्याख्यान और अन्य गतिविधियों का संचालन करना है। इस संबंध में एआइसीटीई ने विवि को अनुदान प्रदान किया है। एआइसीटीई के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल कैलाश बंसल ने मार्गदर्शन योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रो.राजीव कुमार ने कहा कि चूंकि जेसी बोस विश्वविद्यालय ने सभी गुणवत्ता मानकों को हासिल कर लिया है, इसलिए इसमें अन्य संस्थानों का मार्गदर्शन करने तथा विशेषज्ञता साझा की क्षमता है।

NEWS CLIPPING: 10.07.2021

NAVBHARAT TIMES

अंग्रेजी साहित्य पर व्याख्यान का समापन

एनबीटी न्यूज, फरीदाबादः जेसी बोस यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी साहित्य व भाषा विभाग द्वारा आयोजित की गई पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का शुक्रवार को समापन हुआ। भारतीय अंग्रेजी साहित्य-एक अवलोकन विषय पर आयोजित हुई की श्रृंखला में 150 से अधिक शोधकर्ताओं, स्टाफ सदस्यों व छात्रों ने हिस्सा लिया। समापन सत्र में एमडी यूनिवर्सिटी में विदेशी भाषा विभाग के प्रफेसर रणदीप राणा ने कहा कि अंग्रेजी का भारतीयकरण करने की बजाय भारतीयों का अंग्रेजीकरण किया गया, जिसका खामियाजा हमें उठाना पड़ा।